Regarding observation of 24th November as Martyrdom Day in honour of the great martyr of Guru Tegh Bahadur, the 9th Sikh Guru

श्रीमती हरसिमरत कौर बादल **(**भटिण्डा**) :**

?तिलक जंजू राखा प्रभ ताका॥

कीनो बडो कलू महि साका॥?

मैडम, यह देश और दुनिया के इतिहास में इकलौता एक ऐसा साका होगा, जहाँ किसी एक धर्म के गुरु ने किसी और धर्म की रक्षा करने के लिए अपना शीश बलिदान किया । धन-धन गुरु तेग बहादुर साहिब, सिखों के 9 वें गुरु ने, जब कश्मीरी पंडितों के ऊपर मुगलों द्वारा धर्म परिवर्तन के लिए जोर-जबर किया जा रहा था, तो इधर लाल किले से हुक्म हुआ और गुरु साहब चलकर दिल्ली आये और लाल किले के सामने शीशगंज साहिब में उन्होंने अपने शीश का बलिदान दिया । ?तिलक जंजू के राखा के वासे?, इसकी वजह से उनको हिन्द की चादर का खिताब दिया गया है ।

मैडम, आज मैं इस सरकार से पूछना चाहूँगी कि जिन्होंने आपके तिलक जंजू की राखा करके आपके धर्म को जिन्दा रखा, हमारे सिखों ने, एसजीपीसी ने माँग रखी है कि 24 नवम्बर को मार्टर्डम डे के नाम से सम्मानित किया जाए, गुरु तेग बहादुर की महान शहादत को सम्मानित किया जाए और इस नेशनली मार्टर्डम डे की एक छुट्टी दी जाए । मैं सरकार से यह माँग रखती हूँ । क्या इसे आप स्वीकार करेंगे?

मैडम, 550 साल गुरु नानक देव जी के अवतार दिवस में आपने हमारे बंदी सिखों की रिहाई के लिए नोटिफिकेशन निकाला था, जो वर्ष 2019 से आज तक पूरा नहीं हुआ है । क्या वह वादा भी आप सिखों के गुरुओं के प्रति पूरा करेंगे? धन्यवाद ।

माननीय सभापति**:** धन्यवाद ।

श्री अरविंद सावंत जी ।